इंद्रप्रस्थ महिला महाविद्यालय
बी ए प्रोग्राम
छात्र शोध - प्रस्ताव प्रस्तुति **2020-21**

डिजिटल तकनीक और हम :
स्वरूप तथा अनुभव
संकल्पना नोट

डिजिटल युग आ गया है और हम इस बात को नकार नहीं सकते हैं की नई तकनीकी प्रगति ने और इसकी रचनात्मकता ने हमारे समाज को एक गति प्रदान की है और लोगों की दैनिक दिनचर्या में परिवर्तन ला दिए हैं यह परिवर्तन दिनचर्या में ही नहीं हमारी आदतों में आपसी संबंधों में तथा हमारे व्यवहार में है, इसका कारण कुछ और नहीं डिजिटल युग ही है। डिजिटलीकरण की शुरुआत तब हुई जब जनता ने इस तकनीक को बड़ी संख्या में अपनाना शुरू किया । यह एक ऐसी प्रक्रिया है जिसके माध्यम से कोई भी डाटा हम शेयर कर सकते हैं, किसी के साथ साझा कर सकते हैं, सूचनाओं को परिवर्तित कर सकते हैं और नया डाटा पैदा कर सकते हैं। डिजिटल परिवर्तन ने समाज पर कई तरह से प्रभाव डाला है। सकारात्मक रूप में देखा जाए तो यह व्यापार में नए अवसर प्रदान करता है, यह रोजगार पर भी प्रभाव डालता है और व्यवसाय के लिए बहुत लाभप्रद है। जनता तक वस्तुओं को पहुंचाने में भी मदद करता है।

डिजिटलीकरण ने स्वास्थ्य और शिक्षा के आयामों को भी बढ़ा दिया है । नए अवसर इस क्षेत्र में हमें दिखाई देते हैं । इससे जनता सीधे सरकार से जुड़ सकती है, उनसे बातचीत कर सकती है, अपनी बात उन तक पहुंचा सकती है। इसके साथ ही डिजिटलीकरण ने एक प्रभाव मानवीय संबंधों पर भी डाला है और व्यैक्तिक व्यवहार, सामाजिक व्यवहार और संप्रेषण को भी सरल और सहज बना दिया है यद्यपि डिजिटल ट्रांसफॉरमेशन के कुछ नकारात्मक प्रभाव भी है जैसे कर्मचारियों की कमी, कंपनियों की लगातार कमी समाज में असमानता बढ़ी है, साथ ही साइबर क्राइम और सामाजिक असंबंधता भी बढ़ी है। डिजिटलीकरण बहुत सी नई घटनाएं परिघटनाएं हमारे सामने लेकर प्रस्तुत है जिनके बारे में पहले शायद सोचा भी नहीं जा सकता था। हमारे जैसे समाज में किसी वस्तु या उत्पाद को सुगमता से प्राप्त करना एक रुचि का विषय बन गया है। डिजिटलीकरण की लहर हमारी अर्थव्यवस्था और समाज को बुरी तरह से प्रभावित कर रही है, हम विकास के नाम पर बहुत सी समस्याओं का सामना कर रहे हैं। सबसे पहले यह अनिवार्य है कि हम इसकी पहुंच का एक नक्शा तैयार करें जो समाज के विभिन्न संप्रदायों में पहुंचती है जिसे कहा जा सकता है कि 'ग्लोबल' कितना 'लोकल'तक पहुंच सकता है
हमारे ऐसे बहुत से समाज हैं जहां यह आसानी से सुलभ नहीं होता है, हमें यह सोचना होगा कि इसके परिणामजनित नुकसान इन समाजों के किन संप्रदायों या समूहों में हैं।

दूसरे स्तर पर जो विचार उत्पन्न होता है वह है जिसे हम 'मेन स्ट्रीम' जनता या यह कहें कि जिसने तकनीक के अग्रगामी पहलुओं को चखा है। एक महत्वपूर्ण दख़ल का क्षेत्र यह भी है कि डिजिटलीकरण के 'बाद के प्रभाव' या आफ्टर इफेक्ट क्या रहेंगे? हाल फिलहाल के दिनों में विश्व ने एक प्रेरणादायक अनुभव महसूस किया है वह है शिक्षा के क्षेत्र में व्यवसाय के क्षेत्र में और ऑनलाइन जॉब के क्षेत्र में, हम देखते हैं कि डिजिटल तकनीक ने हमारी बहुत सहायता की है। इस समय सभी लोग ऑनलाइन मोड में अपनी जॉब कर रहे हैं।
लॉक डाउन की परिस्थिति ने डिजिटल प्रसार को एक ऐसे स्तर पर लाकर खड़ा कर दिया है, जिसके बारे में कभी किसी ने पहले सोचा भी नहीं था। यह अच्छा है या बुरा अभी भी इस पर प्रश्नचिन्ह लगा ही हुआ है । तकनीक के समावेश से शहरी, अर्ध शहरी और ग्रामीण क्षेत्र में एक बहुत बड़ा अवसर का मार्ग प्रशस्त हुआ है उसी के साथ हम यह भी कह सकते हैं कि डिजिटलीकरण ने एक समस्याओं का पिटारा भी खोल दिया है जो हमारे समाज में सवालों के घेरे में है या यूं कहें कि जिस का प्रभाव हमारे समाज में बहुत अच्छा नहीं है।

इस विषय का मूल उद्देश्य यह है कि हम आवाहन करें अपने विचारों का कि कैसे डिजिटलीकरण ने हम पर समाज के रूप में कैसा प्रभाव डाला है। शोध प्रस्ताव अनुभव सिद्ध और अनुभवजन्य होनी चाहिए । केस स्टडीज और सैद्धांतिक उदाहरण, आत्म अनुभवजन्य वर्णन आमंत्रित हैं नीचे दिए गए उप विषयों पर शोध प्रस्ताव प्रस्तुत कर सकते हैं।

1. डिजिटल विभाजन: लिंग, वर्ग, जाति और क्षेत्र(शहरी, ग्रामीण, विरोधी क्षेत्र /संघर्ष क्षेत्र)
2. सोशल मीडिया :ट्विटर, फेसबुक, इंस्टाग्राम आदि।
3. तकनीक और सेंसरशिप
4. स्वास्थ्य में तकनीक
5. शिक्षा में तकनीक
6. तकनीक और कला
7. तकनीक और भारतीय अर्थव्यवस्था
8. डिजिटल प्रसार और आपसी रिश्ते या संबंध
9. बच्चों पर प्रभाव : घरेलू गतिशीलता
10. तकनीक और सर्वव्यापी महामारी
11. डिजिटल तकनीक का भविष्य: कृत्रिम बुद्धि

विद्यार्थियों को नीचे दिए गए निर्देशों का पालन अवश्य करना है।
1. शोध -सार तथा शोध -प्रस्ताव एक ही ई -मेल आईडी से भेजें।
2. शोध -सार की शब्द सीमा **200** से **300** शब्द रहेगी।
शोध -प्रस्ताव की समय सीमा **6** मिनटस रहेगी।
3. विद्यार्थी अपने अध्यापकों से संपर्क कर सकते हैं कि वह आपके मेंटोर बने। वह आपकी शोध प्रस्ताव लिखने में सहायता करेंगे । शोध प्रस्ताव जमा करने के लिए आपको अध्यापक मेंटोर की आवश्यकता होगी ।
4. विद्यार्थी ऊपर दिए गए विषयों में से कोई विषय चुन सकता है लेकिन वह व्यापक रूप से संबंधित होना चाहिए।
5. शोध प्रस्ताव जमा करने की अंतिम तिथि
20 सितंबर **2020** शोध -सार को जमा करने की अंतिम तिथि
30 सितंबर **2020** शोध -प्रस्ताव को जमा करने की अंतिम तिथि

शोध प्रस्ताव आप इस ईमेल आईडी पर भेज सकते है।
bappaperpresentation2020@gmail.com

-